245. राजस्थान मूल के प्रख्यात शास्त्रीय वादक रामनारायण तथा सुल्तान खां का सम्बन्ध किस वाद्य यन्त्र से है?

(a) कमायचा (b) सितार
(c) सारंगी (d) तबला

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : राजस्थानी मूल के प्रख्यात शास्त्रीय वादक रामनारायण तथा सुल्तान खाँ का सम्बन्ध सारंगी वाद्य यन्त्र से है। सारंगी को तन्त्र वाद्यों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इसके वादन के लिए गज का उपयोग किया जाता है जो कि घोड़े की पूंछ के बालों से बना होता है। पंडित रामनारायण एक हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार है जो गज (कमानी वाला) यंत्र सारंगी बजाते है। उन्हें सारंगी को एकल शास्त्रीय वाद्य यंत्र के रूप में प्रसिद्ध करने का श्रेय जाता है। उन्हें वर्ष 2005 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया।

246. जयदयाल सोनी और चेतराम संबंधित हैं-

(a) तुर्रा कलंगी ख्याल से (b) जयपुरी ख्याल से
(c) शेखवाटी ख्याल से (d) हेला ख्याल से

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (a) : जयदयाल सोनी और चेतराम का संबंध तुर्रा कलंगीख्याल से है। इसके अतिरिक्त ताराचंद, हमीदबेग, ठाकुर ओंकार सिंह आदि इसके प्रमुख कलाकार है। इस ख्याल के प्रवर्तक शाहअली और तुकनगीर नामक संत को माना जाता है। 'तुर्रा' को 'शिव' और 'कलंगी' को 'पार्वती' का प्रतीक माना जाता है।

247. राजस्थान की वह परम्परा, जिसमें दूल्हे की बारात के घर से चले जाने के बाद घर की स्त्रियों द्वारा लोक नाट्य किया जाता है, कहलाता है-

(a) स्वांग (b) ख्याल
(c) टूटिया (d) रम्मत

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (c) : राजस्थान के मालवा क्षेत्र से सटे इलाकों में दूल्हे की बारात के घर से चले जाने के बाद घर की महिलाओं द्वारा 'टूटिया' लोक नाटक किया जाता है। इसके अतिरिक्त तमाशा, भवाई, गवरी, स्वांग, लीला नौटंकी, गंधर्व नाट्य आदि खेले जाते है।

248. लोक-कथा 'देवनारायण जी की फड़' के गायन में कौन-सा वाद्य यन्त्र प्रयोग में लाया जाता है?

(a) मंजीरा (b) चंग
(c) जन्तर (d) खड़ताल

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-B

Ans. (c) : देवनारायण जी की फड़ के गायन के समय 'जंतर' नामक वाद्य यंत्र का प्रयोग किया जाता है। गुर्जर जाति में अधिक मान्य तथा विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारत सरकार ने 2 सितम्बर 1992 को देवनारायण जी की फड़ पर 5 रुपये का डाक टिकट जारी किया। इनकी फड़ राज्य की सबसे लम्बी फड़ है। देवनारायणजी की मृत्यु देवभाली (ब्यावर अजमेर) में हुई।

249. हाल ही में (9 अप्रैल, 2022 को) राजस्थान के निम्नलिखित में से किस लोक संगीत कलाकार को 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' प्रदान किया गया?

(a) खेता खान (b) दापू खान
(c) गाज़ी खान बरना (d) मामे खान

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (c) : राजस्थान के जैसलमेर जिले के बरना गांव के श्री गाजी खान बरना को वर्ष 2022 में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व 2018 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। श्री गाजी खान बरना खड़ताल एवं ढोलक वादक हैं।

250. 'फल्कू बाई' का सम्बन्ध किस लोक नृत्य से है?

(a) भवाई नृत्य (b) चरी नृत्य
(c) कालबेलिया नृत्य (d) तेरहताली नृत्य

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (b) : फल्कू बाई चरी नृत्य की प्रसिद्ध नृत्यांगना हैं। चरी नृत्य राजस्थान का प्रसिद्ध लोकनृत्य है। यह अजमेर और किशनगढ़ में अधिक प्रचलित है।

251. निम्नलिखित में से कौन सा वाद्य यंत्र बाकी तीन से अलग है?

(a) खड़ताल (b) मशक
(c) शहनाई (d) अलगोज़ा

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (a) : खड़ताल एक घन वाद्य है। यह धातु निर्मित है, इसे करताल भी कहा जाता है। यह हाथ से बजाया जाता है। जबकि मशक, शहनाई, अलगोजा, सुषिर वाद्य हैं जो मुँह से हवा फूँक कर बजाए जाते हैं।

252. राजस्थान का निम्नलिखित में से कौन सा (प्रसिद्ध संगीतकार-विशेषज्ञता) सही सुमेलित नहीं है?

(a) विश्वमोहन भट्ट-मोहन वीणा
(b) चतुर लाल - तबला
(c) सुल्तान खां - कमायचा
(d) जिया फरीद्दीन डागर -ध्रुपद

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (c) : सुल्तान खाँ राजस्थान के सारंगी के प्रमुख वादक थे। कमायना के प्रमुख वादक साकर खाँ हैं। अन्य विकल्प सही है।

253. बीकानेर की गायिका अल्लाह जिलाई बाई किस राग गाने के लिए प्रसिद्ध थीं?

(a) बसंती (b) जैजेवंती
(c) मल्हार (d) माण्ड

RPSC Computer Exam-2018 Date 07-10-2022

Ans. (d) : बीकानेर की लोक गायिका अल्लाह जिलाई बाई मांडराग गाने के लिए प्रसिद्ध थी। वह ठुमरी, ख्याल और दादरा गाने में भी पारंगत थीं। 1982 में, भारत सरकार ने उन्हें कला क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया था। पद्म श्री अल्लाह जिलाई बाई ने 'पधारो म्हारे देश' गाया।

254. 'ओल्यूं' राजस्थानी लोक जीवन के किस अवसर से सम्बन्धित है?

(a) पुत्र जन्मोत्सव गीत
(b) पुत्री विवाह का विदाई गीत
(c) होली पर किया जाने वाला लोक नृत्य
(d) बारात की आगवानी का गीत

कनिष्ठ लिपिक अभियन्ता 18-05-2022